प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– संत कबीर नगर।

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/संत कबीर नगर/2019–20/ 2410 **दिनांक:** 17-06-19

विषयः राज्य स्तरीय दल द्वारा 22 से 24 मई 2019 में किए गए पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किए जाने के संबंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 22 से 24 मई 2019 को जनपद संत कबीर नगर के विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों पर की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किए जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा इकाईयों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में प्रकाश में आए बिन्दुओं के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गई है। पुनः टीम का अभिमत है कि जनपद में तैनात डी0ई0आई0सी0 मैनेजर श्री पिन्टू कुमार द्वारा अपने कार्य एवं दायित्वों का ठीक प्रकार से निर्वाहन नहीं किया जा रहा है। उनके पास किसी भी ब्लॉक का माइक्रोप्लान उपलब्ध नहीं मिला। माह अप्रैल 2019 की मासिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार संदर्भित एवं उपचारित बच्चों की संख्या शून्य है। लाइन लिस्ट, ब्लॉकवार प्रत्येक एम0एच0टी0 हेतु उपकरणों का विवरण तथा उसकी उपलब्धता की कोई भी सूचना टीम को उपलब्ध नहीं करायी गई है। डी0ई0आई0सी0 मैनेजर को इस हेतु सचेत कर दिया जाये कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति पर कठोर कार्यवाही के लिए वह स्वंय उत्तरदायी होंगे।

आपसे अनुरोध है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों एवं दिए गए सुझावों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोपरि

भवदीय

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पृष्ठांकन : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/संत कबीर नगर/2019–20/ तद्दिनांक

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य भवन लखनऊ उ0प्र0।
2. महानिदेशक परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय उ0प्र0।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, संत कबीर नगर, उ0प्र0।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बस्ती मण्डल बस्ती।
5. स्टेट नोडल अधिकारी, आर.बी.एस.के./संयुक्त निदेशक, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उ0प्र0।
6. जनपदीय नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0 को इस आशय से प्रेषित कि भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों का निराकरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।
7. मण्डलीय/जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक/डी0ई0आई0सी0 प्रबन्धक, संतकबीरनगर को इस आशय के साथ प्रेषित कि पर्यवेक्षण रिपोर्ट की अनुपालन आख्या यथा–शीघ्र प्रस्तुत करें।

(डा0 मनोज कुमार शुक्ल)
महाप्रबन्धक– आर0बी0एस0के0

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– संत क़बीर नगर।

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/संत कबीर नगर/2019–20/ **दिनांकः** 17-06-19

विषयः राज्य स्तरीय दल द्वारा 22 से 24 मई 2019 में किए गए पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किए जाने के संबंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 22 से 24 मई 2019 को जनपद संत कबीर नगर के विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों पर की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किए जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा इकाईयों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में प्रकाश में आए बिन्दुओं के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गई है। पुनः टीम का अभिमत है कि जनपद में तैनात डी0ई0आई0सी0 मैनेजर श्री पिन्टू कुमार द्वारा अपने कार्य एवं दायित्वों का ठीक प्रकार से निर्वाहन नहीं किया जा रहा है। उनके पास किसी भी ब्लॉक का माइक्रोप्लान उपलब्ध नहीं मिला। माह अप्रैल 2019 की मासिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार संदर्भित एवं उपचारित बच्चों की संख्या शून्य है। लाइन लिस्ट, ब्लॉकवार प्रत्येक एम0एच0टी0 हेतु उपकरणों का विवरण तथा उसकी उपलब्धता की कोई भी सूचना टीम को उपलब्ध नहीं करायी गई है। डी0ई0आई0सी0 मैनेजर को इस हेतु सचेत कर दिया जाये कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति पर कठोर कार्यवाही के लिए वह स्वंय उत्तरदायी होंगे।

आपसे अनुरोध है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों एवं दिए गए सुझावों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोपरि

भवदीय

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पृष्ठांकन : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/संत कबीर नगर/2019–20/2410-7 तद्दिनांक

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य भवन लखनऊ उ0प्र0।
2. महानिदेशक परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय उ0प्र0।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, संत कबीर नगर, उ0प्र0।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बस्ती मण्डल बस्ती।
5. स्टेट नोडल अधिकारी, आर.बी.एस.के./संयुक्त निदेशक, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उ0प्र0।
6. जनपदीय नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0 को इस आशय से प्रेषित कि भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों का निराकरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।
7. मण्डलीय/जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक/डी0ई0आई0सी0 प्रबन्धक, संतकबीरनगर को इस आशय के साथ प्रेषित कि पर्यवेक्षण रिपोर्ट की अनुपालन आख्या यथा–शीघ्र प्रस्तुत करें।

(डा0 मनोज कुमार शुक्ल)
महाप्रबन्धक– आर0बी0एस0के0

पर्यवेक्षण आख्या जनपद–संत कबीर नगर
दिनांक 22.05.2019 से 24.05.2019 तक

भ्रमण टीम के सदस्य–:

1. डा0 रेशमा मसूद, ए0जी0एम0, आर0बी0एस0के0, एस0पी0एम0यू0।
2. इन्द्रानी सरकार, एकाउन्ट मैनेजर कम डाटा एनालिस्ट, आर0बी0एस0के0, एस0पी0एमय0यू0।

दिनांक– 22.05.2019
वी0एच0एन0डी0
उपकेन्द्र–बर्दगो, मलिन क्षेत्र–लकाडी

उपकेन्द्र–बर्दगो, वी0एच0एन0डी

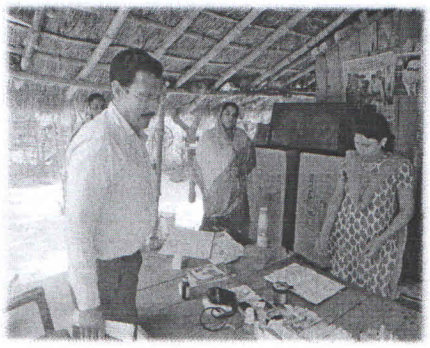

दिनांक 22.05.2019 को वी0एच0एन0डी0 के पर्यवेक्षण हेतु उपकेन्द्र बर्दगो के ग्राम लकाडी में चल रहे सत्र का टीम द्वारा भ्रमण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- वी0एच0एन0डी0, सत्र पर ए.एन.एम. – पूर्णिमा भारती , ग्रामीण आशा– गीता उपस्थित थीं।
- वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली बायोमेडिकल वेस्ट पॉलीथीन बैग उपलब्ध नही थी।
- वजन मशीन क्रियाशील नही पायी गयी।
- ए.एन.एम. के पास टी0टी0 वैक्सीन तथा जे0ई0 वैक्सीन का स्टॉक नहीं पाया गया।
- वैक्सीन के साथ केवल पी0सी0एम0, एल्बेन्डाजॉल, ओ0आर0एस0, आयरन की लाल गोली के अतिरिक्त अन्य कोई औषधियां पायी नहीं गयी।
- टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थीयों को समस्त संबन्धी जानकारी नहीं दी जा रही थी।
- गर्भवति महिलाओं की जांच हेतु अलग से व्यवस्था (टेबल व पर्दा की) नहीं थी। जिसके कारण गर्भवती महिलाओं का पर एब्डॉमिनल एक्जामनेशन सम्भव नहीं हो पा रहा था।
- वी0एच0एन0डी0 हेतु जगह उपयुक्त नहीं पाया गया, जनपदीय नोडल अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं ए.एन.एम. को कोई दूसरी जगह चिन्हित कर प्लान में सम्मिलित करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।
- ए.एन.एम. – पूर्णिमा भारती एस0बी0ए0 ट्रेनड नहीं है।
- ए.एन.एम. एवं आशा के पास जिंक उपलब्ध नही था।

- वी0एच0एन0डी0 के दौरान पाया गया कि ड्यूलिस्ट में चिन्हित 37 बच्चों में से 15 बच्चों का टीकाकरण सम्पूर्ण किया गया।
- ए0एन0सी0 रजिस्टर के पृष्ठ पर संख्या अंकित नहीं थे। रजिस्टर के प्रत्येक पृष्ठ पर संख्या अंकित करने हेतु सुझाव टीम द्वारा दिया गया।
- आशा को कार्यक्रम वार मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के सम्बन्ध में जानकारी नही थी।
- पर्यवेक्षण के दौरान आर0बी0एस0के0 के अन्तर्गत बच्चों में चिन्हित जन्मजात दोषों के पहचान के बारे में पूछे जाने पर जानकारी का आभाव था। जनपदीय नोडल अधिकारी एवं डी0ई0आई0सी0 मैनेजर को सभी स्वास्थ्य कार्यकत्रियों जैसे ए0एन0एम0 एवं आशा को नियमित रूप से जन्मजात दोषों से ग्रसित शिशुओं के पहचान हेतु प्रशिक्षण देने हेतु सुझाव दिया गया।

उपकेन्द्र– मीरगंज

दिनांक 22.05.2019 को भ्रमण दल द्वारा उपकेन्द्र मीरगंज का भ्रमण अपरहन 01:45 में किया गया। भ्रमण के दौरान उपकेन्द्र बन्द पाया गया। संज्ञान में आया कि उपकेन्द्र हेतु कार्यरत तीनों ए0एन0एम0 टीकाकरण सत्र पर गयी है।

उपकेन्द्र–मीरगंज– बन्द पाया गया

वी0एच0एन0डी0
उपकेन्द्र–चिलौना

डूय लिस्ट– बच्चे– 21
विजिटेड– 17
प्रेगनेन्ट महिला– 10
विजिटेड– 4

दिनांक 22.05.2019 को वी0एच0एन0डी0 के पर्यवेक्षण हेतु उपकेन्द्र चिलौना में चल रहे सत्र का टीम द्वारा भ्रमण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- वी0एच0एन0डी0, सत्र पर ए.एन.एम. – सुनीता वर्मा , ग्रामीण आशा–शंख्लावती उपस्थित थीं।
- वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली बायोमेडिकल वेस्ट पॉलीथीन बैग उपलब्ध नही थी।
- ग्रामीण आशा के पास बैग नहीं था। पूछे जाने पर बताया गया कि बैग प्रायः घर पर रख दिया जाता है।

- ए.एन.एम. एवं आशा के पास जिंक उपलब्ध नही था।
- टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थीयों समस्त संबन्धी जानकारी नहीं दी जा रही थी।
- गर्भवति महिलाओं की जांच हेतु अलग से व्यवस्था (टेबल व पर्दा की) नहीं थी, जिसके कारण गर्भवती महिलाओं का पर एब्डॉमिनल एक्जामनेशन सम्भव नहीं हो पा रहा था।
- ए.एन.एम. – सुनीता वर्मा एस0बी0ए0 ट्रेनड नहीं थी।
- आशा को कार्यक्रम वार प्रोत्साहन राशि के सम्बन्ध में जानकारी नही थी।
- वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास टी0टी0 वैक्सीन तथा जे0ई0 वैक्सीन का स्टॉक नहीं पाया गया।
- वी0एच0एन0डी0 के दौरान पाया गया कि ड्यूलिस्ट में चिन्हित 21 बच्चों में से 17 बच्चों का टीकाकरण सम्पूर्ण किया गया।
- ए0एन0सी0 रजिस्टर के पृष्ठ पर संख्या अंकित नहीं थे। रजिस्टर के प्रत्येक पृष्ठ पर संख्या अंकित करने हेतु सुझाव टीम द्वारा दिया गया।
- पर्यवेक्षण के दौरान आर0बी0एस0के0 के अन्तर्गत बच्चों में चिन्हित जन्मजात दोषों के बारे में पूछे जाने पर ग्रामीण आशा को जन्मजात दोषों के पहचान के बारे में पूछे जाने पर जानकारी का आभाव था। जनपदीय नोडल अधिकारी एवं डी0ई0आई0सी0 मैनेजर को सभी स्वास्थ्य कार्यकत्रियों जैसे ए0एन0एम0 एवं आशा को नियमित रूप से जन्मजात दोषों से ग्रसित शिशुओं के पहचान हेतु प्रशिक्षण देने हेतु सुझाव दिया गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– काशीराम

दिनांक 22.05.2019 को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– काशीरामका टीम द्वारा भ्रमण किया गया। नगरीय प्रथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– काशीराम, मलिन बस्ती के निकट स्थित है। जो लगभग 20 हज़ार की आबादी को कवर कर रहा है। टीम द्वारा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, का भ्रमण अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल आर0बी0एस0के0, जनपदीय अरबन कोर्डीनेटर, डी0ई0आई0सी0 मैनेजर के साथ किया गया। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, काशीराम, किराये के भवन में क्रियाशील है तथा एक फुलटाइम एम0ओ0 एवं एक पार्ट टाइम एम0ओ0 तैनात है। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रतिदिन 60–70 की ओ0पी0डी0 की जा रही है।

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• मातृ एवं शिशु सेवाएं, नियमित टीकाकरण, परिवार कल्याण सेवाऐं एवं जटिलता की स्थिति में संदर्भन की सुविधयें इस चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही हैं। • बयोमैट्रिक मशीन एवं अग्रिशामक उपलब्ध था। • नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र पर रोगी कल्याण समिति का गठन किया गया है। जिनका पंजीकरण एवं बैंक खाता संचालित है परन्तु आर0के0एस0 रजिस्टर केन्द्र पर उपलब्ध नही था। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रसव कक्ष भी स्थापित है। दिनांक 22.05.2019 को एक प्रसव सफलतापूर्वक कराया गया एवं ट्रिप्लेटस का जन्म हुआ।	• टीम द्वारा आर0के0एस0 रजिस्टर के नियमानुसार रख रखाव करने हेतु सुझाव दिया गया।	नोडल अधिकारी एन0यू0एच0एम0 / जनपदीय अरबन हेल्थ कोर्डिनेटर

• स्वास्थ्य केन्द्र पर आई0ई0सी0 तथा ई0डी0एल0 सूचि प्रदर्शित थी। • BMW हेतु लाल, नीला एवं पीली बाल्टी भी उपलब्ध थी। • ए0एन0सी0 रजिस्टर का रख रखाव मानक के अनुसार पाया गया । • आक्सीजन सिलेण्डर उपलब्ध था परन्तु किसी को उसका उपयोग करना ठीक से नहीं आता था। • रेफरल रजिस्टर पर संदर्भन के कारण अंकित नहीं थे। • पार्ट टाइम एम0ओ0 का ओ0पी0डी0 रजिस्टर मानकानुसार नहीं पाया गया। • औषधि हेतु स्टाक रजिस्टर में कमियां पाई गयी। • पूर्ण कालिक चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य केन्द्र पर एनिमिया उपलब्ध नहीं है। • लैब टेस्ट रजिस्टर तथा अन्य आवश्यक रजिस्टरों पर कोई कवर नहीं चढ़ाया गया। किसी भी पृष्ठ पर संख्या अंकित नहीं पायी गयी।	• स्वास्थ्य केन्द्र को व्यवस्थित करने एवं रिकार्ड के रख रखाव हेतु चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया। • टीम द्वारा आक्सीजन सिलेण्डर को आवश्यकतानुसार उपयोग करने तथा नियमित रूप से लॉग बुक लिखने हेतु सुझाव दिया गया। • स्टॉक रजिस्टर मानकानुसार बनाने हेतु पूर्ण कालिक चिकित्सा अधिकारी को सुझाव दिये गये।	नोडल अधिकारी एन0यू0एच0एम0 / जनपदीय अरबन हेल्थ कोर्डिनेटर नोडल अधिकारी एन0यू0एच0एम0 / जनपदीय अरबन हेल्थ कोर्डिनेटर

उपकेन्द्र– विश्वनाथपुर

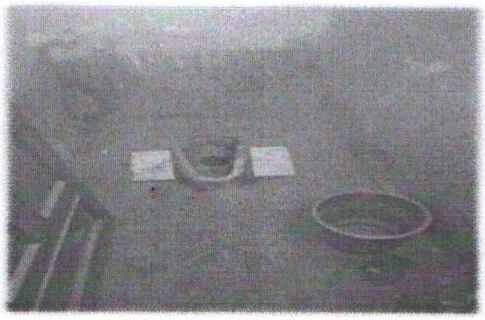

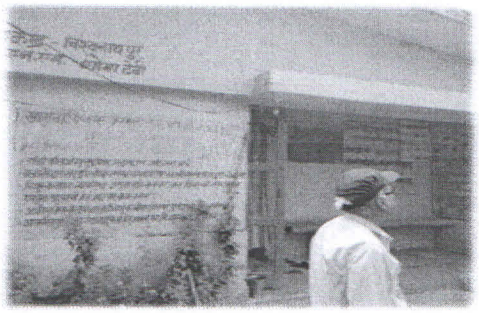

ए0एन0एम0– शोभा देवी।

दिनांक 22.05.2019 को पर्यवेक्षण हेतु उपकेन्द्र विश्वनाथपुर का टीम द्वारा भ्रमण किया गया। उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0– शोभा देवी तैनात मिली।

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- लाभार्थियों हेतु टॉयलेट बहुत गंदा पाया गया।

- एक्सपायरी ड्रग्स जैसे– ऑक्सीटॉसिन एवं सिन्टोसिन उपकेन्द्र में रखे पाये गये , साथ ही अल्बेन्डाजॉल टैबलेट के तीन डिब्बे एक्सपायरी पाये गये, जिसे टीम द्वारा वहां से हटाने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति न उत्पन्न होने के लिए चेतवानी दी गयी।
- प्रसव कक्ष में प्रसव हेतु टेबल पर चादर बहुत गंदा था तथा Kelly's Pad उपलब्ध नहीं था।
- उपकेन्द्र में सफाई निराशाजनक थी।
- विटामिन ए का कोई स्टॉक उपकेन्द्र पर पिछले एक साल से उपलब्ध नहीं था।

दिनांक– 23.05.2019

आंगनवाड़ी– चौरी

पंजीकृत बच्चों की संख्या– 50

उपस्थित बच्चों की संख्या– 21

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• भ्रमण के दौरान डी0ई0आई0सी0 मैनेजर द्वारा टीम के माइक्रोप्लान साथ में नहीं ले जाया गया।	• डी0ई0आई0सी0 मैनेजर के पास माइक्रोप्लान की प्रति उपलब्ध न होने के लिए चेतावनी दी गयी।	
• आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के पास बच्चों की परीक्षण हेतु ग्रोथ चार्ट उपलब्ध नहीं था।		
• बच्चों के आंखों के परीक्षण के लिए टीम द्वारा मोबाइल के टॉर्च का प्रयोग किया जा रहा था।		
• पर्यवेक्षण के दौरान पाया गया कि मोबाइल हेल्थ टीम के सदस्यों द्वारा मॉड्यूल एवं जॉब एड साथ में नहीं लाया जाता। ज्ञात हुआ कि किसी भी सदस्यो द्वारा मॉड्यूल एवं जॉब एड की ठीक से जानकारी नहीं थी।	• टीम सदस्यों को पार्टीसिपेन्ट मैनुअल तथा जॉब एड भ्रमण के दौरान रखने तथा उसका मानकानुसार उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया।	नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0 / जनपदीय डी0ई0आई0सी मैनेजर।
• एम0एच0टी0 रजिस्टर पर बच्चों के माता–पिता / अभिभावक के मोबाइल नम्बर अंकित नही थे।		
• टीम के पास बैनडेज एवं गौज़ उपलब्ध नही था।	• मोबाइल हेल्थ टीम को व्यवस्थित करने एवं रिकार्ड के रख रखाव हेतु चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	
• टीम के पास आर0बी0एस0के0 ई0डी0एल0 के सापेक्ष कुछ औषधियां ही उपलब्ध पायी गयी।		
• आर0बी0एस0के0 वाहन टैक्सी परमिट एवं जी0पी0आर0एस0– युक्त पाये गये।	• आर0बी0एस0के0 वाहन का भुगतान नियमित रूप से नियमानुसार करने के निर्देश दिये गये।	नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0 / जनपदीय डी0ई0आई0सी मैनेजर।
• मोबाइल हेल्थ टीम के पास कुछ उपकरण जैसे– वजन मशीन (शिशु), मेग्निफाईन ग्लास, केयोन, रैटल, एवं	• टीम द्वारा निर्देशित किया गया	

पिच्चर बुक उपलब्ध नही था।	कि अनुभाग द्वारा प्रेषित दिशा निर्देश दिनांक 14.09.2018 के अनुसार समस्त उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जायें।	

आंगनवाड़ी– बसडीला

कुल पंजीकृत बच्चों की संख्या– 90
उपस्थित बच्चों की संख्या– 14

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के पास बच्चों की परीक्षण हेतु ग्रोथ चार्ट उपलब्ध नहीं था। • मोबाइल हेल्थ टीम के सदस्यों द्वारा बच्चों का head circumference नापने हेतु साधारण टेप का प्रयोग किया जा रहा था। • बच्चों के आंखों के परीक्षण के लिए टीम द्वारा मोबाइल के टॉर्च का प्रयोग किया जा रहा था।	• टीम द्वारा हेड मेजरिंग टेप उपयोग करने हेतु कहा गया।	
• पर्यवेक्षण के दौरान पाया गया कि मोबाइल हेल्थ टीम के सदस्यों द्वारा मॉड्यूल एवं जॉब एड साथ में नहीं लाया जाता। ज्ञात हुआ कि किसी भी सदस्यो द्वारा मॉड्यूल एवं जॉब एड की ठीक से जानकारी नहीं थी। • एम0एच0टी0 रजिस्टर पर बच्चों के माता–पिता/अभिभावक के मोबाइल नम्बर अंकित नही थे। • टीम के पास बैनडेज एवं गौज़ उपलब्ध नही था।	• मोबाइल हेल्थ टीम को व्यवस्थित करने एवं रिकार्ड के रख रखाव हेतु चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0/ जनपदीय डी0ई0आई0सी मैनेजर।
• टीम के पास आर0बी0एस0के0 ई0डी0एल0 के सापेक्ष कुछ औषधियां ही उपलब्ध पायी गयी। • आर0बी0एस0के0 वाहन टैक्सी परमिट एवं जी0पी0आर0एस0– युक्त पाये गये। • मोबाइल हेल्थ टीम के पास कुछ उपकरण जैसे– वजन मशीन (शिशु), मेग्निफाईन ग्लास, क्रेयोन, रैटल, एवं पिच्चर बुक उपलब्ध नही था।	• सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि राज्य स्तर से प्रेषित 14.09.2018 के दिशा निर्देशानुसार उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।	नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0/ जनपदीय डी0ई0आई0सी मैनेजर।

ब्लॉक पी0एच0सी0– बघौली

एम0ओ0आई0सी0– डॉ सियाराम यादव।

आर0बी0एस0के0 टीम के लिए मूवमेन्ट रेजिस्टर उपलब्ध नही था।

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• स्वास्थ्य केन्द्र पर साफ सफाई की व्यवस्था निराशाजनक थी। चिकित्सालय में लाभार्थियों हेतु शौचालय अत्यन्त गंदा था। • सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रुक रहे थे। • Case Sheet एवं प्रसव कक्ष से सम्बन्धित अन्य किसी भी रजिस्टर पर एम.सी.टी.एस. नम्बर, लाभार्थी का मोबाईल नम्बर अंकित नहीं किया जा रहा था। चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि आर0सी0एच0 पोर्टल पर तकनीकी समस्या होने के कारण एम.सी.टी.एस. नम्बर उपलब्ध नही हो पा रहा है। • जे.एस.एस.के. के अर्न्तगत लाभार्थीयों को दिया जाने वाला डाईट हेतु डाईट रजिस्टर उपलब्ध था। डाईट चार्ट कहीं Display नहीं किया गया था। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रोल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यक्ता है। • ई0डी0एल0 प्रदर्शित नही थी। • BMW हेतु चयनित एजेंसी द्वारा नियमित सेवाये नही प्रदान की जा रही थी। • चिकित्सालय में के0एम0सी0 वार्ड नही बना हुआ था। • चिकित्सालय में सेमी ऑटो एनेलाइजर उपलब्ध नहीं था। • रेफरल आउट रजिस्टर ठीक प्रकार से मेनटेन नहीं किया गया था। • एम0डी0आर0 रजिस्टर उपलब्ध मिला, परन्तु ऑडिट की रिर्पोट पर्यवेक्षण हेतु उपलब्ध नहीं करायी जा सकी। • लेबर रूम में ट्रे उपलब्ध थी परन्तु ठीक प्रकार से मेन्टेन नहीं की जा रही थी। • ऑक्सीटोसीन उपलब्ध नहीं मिला। • लैब में कोई भी सेफ्टी प्रीकॉशन मेजर उपयोग नहीं किया जा रहा था। • चिकित्सालय में ब्लीचिंग पाउडर साल्यूशन नहीं बनाया गया था।	• स्वास्थ्य केन्द्र को व्यवस्थित करने एवं रिकार्ड के रख रखाव हेतु चिकित्साधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया। • सभी मोबाइल हेल्थ टीमों को नियमानुसार सभी सूचनाओं एवं लाइन लिस्ट का रख–रखाव तथा माइक्रोप्लान के अनुसार नियमित भ्रमण करने हेतु	एम0ओ0आई0सी0 पी0एच0सी0, बघौली/जिला कार्यक्रम प्रबंधक, संत कबीर नगर।

• आर0बी0एस0के0 टीम के लिए मूवमेन्ट रेजिस्टर उपलब्ध नही था।	निर्देशित किया गया।	नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0 एवं डी0ई0आई0सी0 मैनेजर।

दिनांक– 24.05.2019

जिला संयुक्त चिकित्सालय– खलीलाबाद

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0) भवन की स्थिति सन्तोषजनक थी एवं प्रांगण की सफाई व्यवस्था ठीक थी। • चिकित्सालय में उपचार कराने हेतु उपस्थित महिला रोगियों की संख्या अधिक थी उनके बैठने हेतु ओ0पी0डी0 प्रांगण में समुचित व्यवस्था नही की गई थी। • रोगियों एवं उनके साथ सहायता हेतु आने वाले परिजनो के उपयोगार्थ शौचालयों की स्थिति अच्छी नहीं पाई गई। सफाई की भी कमी पाई गई। • चिकित्सालय में तैनात सुरक्षा कर्मियों की संख्या अत्यन्न कम पायी गयी जिसके कारण ओ0पी0डी0 एवं वार्ड में attendant की अनावश्यक भीड थी।	• चिकित्सा अधीक्षिक, जिला सयुक्त चिकित्सालय, संत कबीर नगर को नियमानुसार ओ0पी0डी0, लेबर रूम की व्यवस्थायें सुदृढ़ किये जाने हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक, जिला–सयुक्त चिकित्सालय, संत कबीर नगर।
• ANC Register/Case Sheet एवं प्रसव कक्ष से सम्बन्धित अन्य किसी भी रजिस्टर पर एम. सी.टी.एस. नम्बर, लाभार्थी/आशा का मोबाईल नम्बर अंकित नहीं किया जा रहा है। • बेड हेड टिकेट को मानकानुसार भरा नही जा रहा था। • लाभार्थियों हेतु डाईट रजिस्टर में 17.05.2019 के बाद कोई भी इन्ट्री नही की गयी।		चिकित्सा अधीक्षक, जिला–सयुक्त चिकित्सालय, संत कबीर नगर।
• चिकित्सालय में सभी लाभार्थियों हेतु निःशुल्क सिटी स्कैन की सुविधा दी जा रही है। उक्त सुविधा एच0एल0एल0 नामक स्वैच्छिक संस्था द्वारा दी जा रही है। स्थानीय पत्रकार द्वारा अवगत कराया गया कि प्रति सिटी स्कैन हेतु रू0 300/– लाभार्थियों से लिया जा रहा है। • ए0एच0 क्लीनिक हेतु एक कक्ष आवंटित	• सी0एम0एस0 के प्रतिनिधि को टीम द्वारा प्रकरण सम्बन्धी आवश्यक कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

किया गया था, जिसमें दोनों पुरूष एवं महिला काउन्सलर के बैठने की व्यवस्था की गयी थी। महिला काउन्सलर श्रीमती रेनू श्रीवास्तव अवकाश पर थी परन्तु स्वीकृत सी0एल0 एप्लीकेशन उपलब्ध नही थी।		
• ए0एच0 क्लीनिक के पुरूष काउन्सलर को ए0एफ0एच0एस0 से सम्बन्धित रजिस्टर तथा किशोर स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों पर पूर्ण जानकारी नही थी। इससे प्रतीत होता है कि रिफ्रेशर प्रशिक्षण की आवश्यकता है।	• महिला काउन्सलर का उस दिन का वेतन उनकी अवकाश प्रार्थना पत्र के सत्यापन के उपरान्त ही भुगतान किया जाये।	नोडल आर0के0एस0के0 / आर0 के0एस0के0 कॉडिनेटर।
• एन0सी0डी0 क्लीनिक में केवल मनोरोग सामाजिक सेवा प्रदाता तथा स्टाफ नर्स भी उपस्थित पाये गये। उन लोगों को एन0सी0डी0 से सम्बन्धित विषयों पर लाभार्थियों को परामर्श देने हेतु ठीक से जानकारी का आभाव था। क्लीनिक में आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं मिले। पूछने पर ज्ञात हुआ कि कर्मियों को अभी तक कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हुआ है।	• सम्बन्धित नोडल अधिकारी एवं सी0एम0एस0 आवश्यकतानुसार कार्यवाही करने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / नोडल एन0सी0डी0

भ्रमण के उपरान्त पर्यवेक्षण दल द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में मुख्य चिकित्साधिकारी, संत कबीर नगर की अध्यक्षता में सम्बन्धित ए0सी0एम0ओ0, प्रभारी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, डी0पी0एम0, डी0सी0पी0एम0, डी0ई0आई0सी0 मैनेजर, आर0के0एस0के0 कॉडिनेटर, एन0यू0एच0एम0 कॉडिनेटर तथा अन्य के साथ बैठक की गई। बैठक में भ्रमण के दौरान चिन्हित किये गये समस्त गैप्स की जानकारी दी गयी। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को यह अवगत कराया गया कि आर0बी0एस0के0 के अर्न्तगत विशेष गतिविधियों जैसे 6.2.5.1–MHT हेतु सी0यू0जी0 तथा 2.2.4–आर0बी0एस0के0 ई0डी0एल0 औषधि मद में माह मार्च 2019 तक शून्य व्यय किया गया है। आर0बी0एस0के0 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018–19 के मासिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार कुल संदर्भन 1529 तथा उपचारित बच्चों की संख्या केवल 8 दर्शायी गयी है। साथ ही माह अप्रैल 2019 के रिपोर्ट के अनुसार जनपद में कुल संदर्भन एवं उपचार शून्य दर्शायें गये। इससे यह प्रतीत होता है कि आर0बी0एस0के0 से जुड़े अधिकारी / कर्मचारी द्वारा कार्यक्रम में कोई रूचि नही ली जा रही है। यह भी अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2018–19 तथा माह अप्रैल 2019 में एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर आर0बी0एस0के0 से जुड़े प्रपत्र पर कोई भी सूचना नही भरी गयी। इससे जनपद की छवि अत्यन्त धूमिल होती है। जनपद में कार्यरत डी0ई0आई0सी मैनेजर श्री पिन्टु सिंह को दल द्वारा चेतावनी दी गयी तथा आर0बी0एस0के कार्यक्रम के सभी गतिविधियो की ब्लाकवार एवं टीमवार नियमित समीक्षा करने हेतु निर्देशित किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियो द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र ही समस्त गैप्स का निराकरण कर दिया जायेगा।

इन्द्रानी सरकार,
एकाउन्ट मैनेजर कम डाटा एनालिस्ट, आर0बी0एस0के0

डा0 रेशमा मसूद ,
ए0जी0एम0, आर0बी0एस0के0